"आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों का विद्यालयीन शिक्षको द्वारा उपयोग का अध्ययन"

D- 105

बरकतउल्ला विश्वविद्यालय भोपाल की शिक्षा में
एम. एड. परीक्षा की आंशिक संपूर्ती हेतु

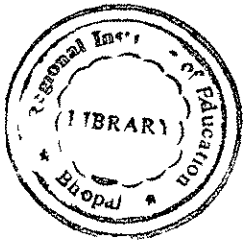

प्रस्तुत
लघु शोध प्रबंध
1995-96

निर्देशक
श्री के के खरे
(व्याख्याता)

शोधकर्ता
शैलेन्द्र सक्सेना
एम एड (छात्र)

क्षेत्रिय शिक्षा संस्थान (NCERT) भोपाल (म.प्र.)

** आभार **

"या देवी सर्वभूतेषु माता रूपेण सस्था
नमस्तस्से – नमस्तस्से नमस्तस्से नमो नम "

जीवन मे बहुधा ऐसे क्षण आते है जब **"आभार"** जैसे महानतम अर्थपूर्ण शब्द को भी छोटा हो जाना पडता है । "एम एड आशिक सपूर्ति हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबध (1995–96) की पूर्णता मे आयी प्रतिकूलता (शारीरिक अस्वस्थता) की परिस्थितियो तथा फिर माता पिता भाई बहिन श्रद्धेय गुरूजनो एव परम स्नेही मित्रो का अविस्मरणीय सहयोग मुझे सहज ही भावुक बना देता है ।"

आदरणीय श्री के के खरे के उत्साहवर्धन मार्गदर्शन तथा वात्सल्य भाव से ओत प्रोत व्यवहार ने मुझे प्रस्तुत शोध कार्य को पूर्ण करने योग्य बनाया । व्यस्तता के बावजूद भी उनका **मार्गदर्शन** ही मेरी इस उपलब्धि का कारण बना मै आदरणीय प्राचार्य डॉ **पी के खन्ना** के मेरे प्रति जो वात्सल्य भाव रहे तथा जिनके गरिमापूर्ण व्यक्तित्व से मै सदैव प्रेरित होता रहा के प्रति भी हार्दिक आभारी हूँ । आदरणीय **डॉ जे एस ग्रेवाल** जी की मेरे प्रति सहानुभूतिपूर्ण भावनाएँ रही उनके स्नेहिल मार्गदर्शन ने मेरे कर्म क्षेत्र को विशेषत प्रभावित किया । आदरणीय **डॉ.आई.डी गुप्ता** का पितृतुल्य स्नेह एव हौसला बढाने वाले उनके भाव कभी नही भुलाये जा सकेगे । आदरणीय **डॉ.जी.एन.पी.श्रीवास्तव** का अमूल्य सहयोग **डॉ एन डी जैन, डॉ.एस के गुप्ता, आदरणीय मेडम सुनीति खरे एव** समस्त गुरूजनो के असीम स्नेह ने मुझे हिम्मत प्रदान की तथा सभी गुरूजनो के आर्शीवाद से मै यह कार्य पूर्ण कर सका ।

मै शहडोल क्षेत्र के नजदीकी ग्रामीण क्षेत्र के प्राथमिक स्तर के शिक्षको तथा प्रिय विद्यार्थियो का विशेष रूप से आभारी हूँ जिन्होने प्रदत्तो के सकलन मे विशेष सहयोग दिया । मै पुस्तकालय परिवार के सभी सहयोगी सदस्यो के प्रति भी आभारी हूँ जिनकी समय समय पर मदद प्राप्त होती रही ।

मै अपने एम एड साथी **मुकेश श्रीवास्तव, प्रदीप मालवीय,** एव समस्त मित्रो सहयोगियो अपने कनिष्ठ साथियो कल्पना, शीला, माया, मनजी के प्रति भी हार्दिक आभारी हूँ । जिनके सहयोग के बिना यह कार्य अत्यत दुष्कर हो जाता ।

मै अपनी शिष्या **सरोज** का भी ह्दय से आभारी हूँ जिसके सेवा भाव ने मुझे एम एड एव लघु शोध कार्य के लिये प्रेरित किया ।

मैं अपनी पूज्य ममतामयी माँ, श्रेष्ठ परमात्मा स्वरूप पूज्य पिता, रवीन्द्र भैया एवं भाभी दोनों, दीदी एव जीजा जी, प्रिय उपेन्द्र, मनीष, एवं प्रिय मित्र अजय बाजपेयी एवं शिव कुमार सिह यादव का ह्दय से आभारी हूँ जिनके स्नेह एव मदद की वजह से मेरी मजिल यहाँ तक आ पहुची ।

और अत मे जगत माता जगदम्बिके को साक्षी मानते हुए उन सभी सहयोगियो के प्रति हार्दिक आभारी हूँ जिनका प्रत्यक्ष एव अप्रत्यक्ष सहयोग इस कार्य को पूर्ण करने हेतु प्राप्त हुआ ।

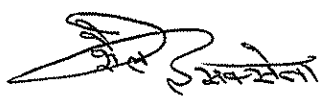

शैलेन्द्र सक्सेना
एम.एड छात्र
क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान
भोपाल

** प्रमाण – पत्र **

प्रमाणित किया जाता है कि **शैलेन्द्र सक्सेना** क्षेत्रीय शिक्षा सस्थान भोपाल मे एम एड के नियमित छात्र है । इन्होने बरकतउल्लाह विश्व विद्यालय भोपाल से शिक्षा मे स्नातकोत्तर उपाधि प्राप्त करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबध **"आकाशवाणी से प्रसारित शैक्षिक कार्यक्रमों का विद्यालयीन शिक्षकों द्वारा उपयोग का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन मे पूर्ण किया है। यह शोध कार्य इनके द्वारा मेहनत, निष्ठा एव लगन से किया गया मौलिक प्रयास है जो पूर्व मे इस आशय से विश्व विद्यालय मे प्रस्तुत नही किया गया है ।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबध बरकतउल्लाह विश्व विद्यालय भोपाल की एम एड परीक्षा 1995–96 की आशिक सपूर्ति हेतु प्रस्तुत किये जाने योग्य है ।

भोपाल

दिनाक 25-3-96

(के0 के0 खरे)
व्याख्याता
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल
(म0 प्र0)

** अनुक्रमणिका **

अध्याय प्रथम :	प्रस्तावना	1–29
	1 1 भूमिका	
	1 2 समस्या का निरूपण	
	1 3 शिक्षण तकनीकी और शिक्षा	
	1 4 रेडियो शिक्षा की आवश्यकता तथा महत्त्व	
	1 5 शोध के उद्देश्य	
	1 6 शोध समस्या का सीमाकन	
	1 7 शोध मे प्रयुक्त तकनीकी शब्दो की व्याख्या	
	1 8 शोध प्रश्न	
	1 9 प्रस्तुत अध्ययन का महत्त्व	
अध्याय द्वितीय :	संबंधित साहित्य का अध्ययन	30–36
	2 1 सबधित साहित्य का अध्ययन	
अध्याय तृतीय :	शोध प्रविधि एवं उपकरण	37–41
	3 1 न्यादर्श का चयन	
	3 2 न्यादर्श की विशेषताएँ	
	3 3 प्रश्नावली का निर्माण एव विकास	
	3 4 प्रदत्त सकलन	
	3 5 प्रदत्तो के विश्लेषण हेतु प्रयुक्त तकनीक	
अध्याय चतुर्थ :	प्रदत्तों का विश्लेषण एवं व्याख्या	42–59
	4 1 प्रदत्तो का विश्लेषण एव व्याख्या	
अध्याय पंचम :	सारांश निष्कर्ष एवं सुझाव	60–63
	5 1 साराश	
	5 2 प्रस्तुत अध्ययन	
	5 3 उद्देश्य	
	5 4 अध्ययन की विधि एव उपकरण	
	5 5 निष्कर्ष	
	5 6 सुझाव	
	5 7 भविष्य के लिये सुझाव	
	संदर्भ ग्रथ सूची	64–65
	परिशिष्ट	66–75
	1 अध्यापको के लिए प्रश्नावली	
	2 छात्रो के लिए प्रश्नावली	